What is Phoentics? Describe its origin and development.

(ii) प्रातिशाख्यों के वर्ण्यविषय का विवेचन कीजिए।

Describe the subject matter of Pratikshakhyas.

(iii) पाणिनीय-शिक्षा का परिचय दीजिए।

Give general introduction to Paniniya Shiksha.

(iv) ध्वनि की परिभाषा देते हुए स्थान भेद से वर्ण विभाग स्पष्ट कीजिए?

Define Dhvani and explain the division of Vamas according to place of their pronunciation?

5. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5×2=9)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) करण

(ii) अनुस्वार

(iii) आशभ्यंतर प्रयत्न

(iv) बाह्य प्रयत्न

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2047 **I**

Unique Paper Code : 2133100011

Name of the Paper : Phonetics in Sanskrit Tradition

Name of the Course : **B.A. (H), Sanskrit – DSE**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं 3 श्लोकों का अनुवाद कीजिए : (6×3=18)

Translate any **three** of the following verses :

(i) स्वरा विंशतिरेकश्च स्पर्शानां पञ्चविंशतिः ।
यादयश्च स्मृता ह्यष्टौ चत्वारश्च यमाः स्मृताः ।।

(ii) अनुस्वारयमानाञ्च, नासिकास्थानमुच्यते ।
अयोगवाहा विज्ञेया, आश्रयस्थानभागिनः ।।

(iii) व्याघ्री यथा हरेत् पुत्रान्, दंष्ट्राभ्यां न च पीडयेत् ।
भीता पतनभेदाभ्यां, तद्वद्वर्णान्प्रयोजयेत् ।।

(iv) अथ शिक्षा प्रवक्ष्यामि, पाणिनीयं मतं यथा ।
शास्त्रानुपूर्वं तद् विद्याद्, यथोक्तं लोकवेदयोः ।।

(v) एवं वर्णाः प्रयोक्तव्या, नाव्यक्ता न च पीडिताः ।
सम्यग् वर्णप्रयोगेण, ब्रह्मलोके महीयते ।।

(vi) मन्त्रो हीनः स्वरतो वर्णतो वा, मिथ्याप्रयुक्तो न तमर्थमाह ।
स वाग्वज्रो यजमानं हिनस्ति, यथेन्द्रशत्रुः स्वरतोऽपराधात् ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×2=18)

Explain any **two** of the following verses with reference to context :

(i) स्वरतः कालतः स्थानात् प्रयत्नानुप्रदानतः ।
इति वर्णविदः प्राहुर्निपुणं तं निबोधत ।।

(ii) जिह्वामूले तु कुः प्रोक्तो दन्त्योष्ठ्यो वः स्मृतो बुधैः ।
ए ऐ तु कण्ठतालव्या ओऔ कण्ठोष्ठजौ स्मृतौ ।।

(iii) स्वराणामूष्मणाञ्चैव, विवृतं करणं स्मृतम् ।
तेभ्योऽपि विवृतावेडौ, ताभ्यामेचौ तथैव च ।।

(iv) उदात्तश्चानुदात्तश्च, स्वरितश्च स्वरास्त्रयः ।
ह्रस्वो दीर्घः प्लुत इति कालतो नियमा अचि ।।

3. निम्नलिखित में से किसी 1 **श्लोक** की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×1=9)

Explain any **one** of the following verses in Sanskrit :

(i) अष्टौ स्थानानि वर्णानामुरः कण्ठः शिरस्तथा ।
जिह्वामूलश्च दन्ताश्च नासिकोष्ठौ च तालु च ।।

(ii) त्रिषष्टिश्चतुष्षष्टिर्वा वर्णाः शम्भुमते मताः ।
प्राकृते संस्कृते चापि, स्वयं प्रोक्ताः स्वयंभुवा ।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (18×2=36)

Answer any **two** of the following questions :

(i) ध्वनिविज्ञान किसे कहते हैं इसके उद्भव और विकास का विवेचन कीजिए।